सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 197 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

चांस लीजिये। ये खुद को टेस्ट करने का सबसे अच्छा तरीका है। मजे करिए और पूरा जोर लगाइए।

-रिचर्ड ब्रैनसन

गोकुल में आनंद भयो जय कन्हैया... 5 | हरियाणा की चुनावी रण को सब... 3 | चुनाव समिति के पास है टिकट... 2

प्रह्लाद 'चा' ने दे दी पहचान : फैसल

4पीएम के संपादक संजय शर्मा से खुलकर बोले एक्टर

» वेब सीरीज पंचायत के किरदार ने दी करियर को रफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पंचायत के प्रह्लाद चा यानी फैसल मलिक। यह नाम पिछले कुछ दिनों से काफी चर्चा में है। हो भी क्यों न, पंचायत के तीसरे सीजन में अपनी संजीदा अदाकारी से इन्होंने सबका दिल जीत लिया है। गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्म में चंद मिनट का रोल करने वाले फैसल मलिक आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में हंसते हुए कहा कि जब कोई उम्र में उनसे बड़ा चचा कहता है तो उसे बद्दुआ दे देते हैं। उन्होंने कहा वह डांस सीख रहे हैं ताकि चचा वाले किरदार से निकल कर अन्य रोल भी निभा सकें। हालांकि सफलता की सीढ़ी इन्होंने आसानी से नहीं चढ़ी है। इसके लिए इन्हें काफी स्ट्रगल भी करना पड़ा है। वह नवाबों के शहर लखनऊ में प्रतिष्ठित यूट्यूब चैनल 4 पीएम के 60 लाख सब्सक्राइबर पूरे होने के कार्यक्रम में शामिल हुए। चैनल के संपादक व वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा ने उनसे बातचीत की।

फैसल की झोली में पंचायत सीरीज गिरी, जिससे वे घर-घर में प्रह्लाद चा के नाम से फेमस हुए। उन्होंने बताया कि यह सीरीज कोविड के दौरान किया था। वह सीरीज की लोकप्रियता मोबाइल के मैसेज से जानते थे। फैसल ने कहा कि पहले सीजन में 7 हजार दूसरे में 14 हजार नोटिफिककेशन आए। उसके बाद जब वह बाहर निकलते थे तो उन्हें लोग प्रह्लाद चा के नाम से पुकारते थे। तब जाके लगा अब पहचान बनने लगी है। पंचायत के तीसरे सीजन में फैसल ने एक अलग छाप छोड़ी है। उन्होंने बताया सीरीज के रिलीज होते ही पहली रात को 23 हजार नोटिफिकेश आए। उन्होंने बताया कि चौथा सीजन भी आ सकता है। पिछले दो सीजन में मस्ती मजाक करने वाले प्रह्लाद चा का किरदार इस सीजन में रुला देने वाला है। फैसल ने बताया कि सीरीज के डायरेक्टर ने उन्हें ध्यान में रखकर ही प्रह्लाद चा का किरदार लिखा था।

गैंग्स ऑफ वासेपुर से मिली पहचान

फैसल ने एक्टिंग में जाने के बारे में बिल्कुल नहीं सोचा था, लेकिन एक इत्तफाक ने उनका परिचय एक्टिंग से करा दिया। फैसल कहते हैं, 'मैं अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में लाइन प्रोड्यूसर था। इलाहाबाद में सिर्फ 4 दिन की शूटिंग के लिए बहुत मुश्किल से एक लोकेशन फाइनल हुई थी। फिल्म में इंस्पेक्टर गोपाल सिंह का किरदार जो शख्स निभा रहा था, वो शूटिंग के पहले दिन आया ही नहीं। तब मुझसे यह रोल करने के लिए कहा गया। पहले लगा कि 1-2 सीन का रोल होगा, इसलिए मैंने हामी भर दी। बाद में पता चला कि इस कैरेक्टर का लंबा स्क्रीन स्पेस है।

पैंट फटने की वजह से सांस रोककर डायलॉग बोले

वासेपुर से संबंधित एक दिलचस्प वाकया भी फैसल ने बताया । जो शख्स पहले यह रोल करने वाला था, वो मुझसे थोड़ा दुबला-पतला था। प्रोडक्शन टीम ने उसी के हिसाब से वर्दी सिलवाई थी। तुरंत दूसरी वर्दी की व्यवस्था करने में शूटिंग बहुत लेट हो जाती। मजबूरी वश मैंने किसी तरह वो वर्दी पहनी, लेकिन पैंट फट गई। उसे दोबारा सिला गया, जिसके बाद मेरा शॉट कम्प्लीट हुआ। उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने उस सीन में सांस रोककर डायलॉग बोले ताकि उनकी पैंट दुबारा न फट जाए। उन्होंने कहा कि वहीं सीन हिट हो गया। उन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर में पुलिस ऑफिसर का रोल निभाया था। फैसल ने बताया कि फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर के बाद उनके पास सिर्फ पुलिस ऑफिसर के रोल आते थे। उन्होंने एक-दो ऑफर को स्वीकार भी कर लिया था, लेकिन खराब कहानी की वजह से अधिकतर को ठुकरा देते थे। इसके बाद फैसल को 2-3 फिल्म और 4-5 सीरीज में देखा गया।

खाने में खूब मिर्ची भर देते थे और खूब पीते थे पानी ताकि पेट भर जाए

मूलत: उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद के रहने वाले व लखनऊ से पढ़ाई करने वाले फैसल ने कहा कि मुंबई आने के बाद उन्हें रहने-खाने की सबसे ज्यादा दिक्कत हुई थी। खाने को पैसे नहीं होते थे। किसी तरह एक टाइम के खाने का जुगाड़ हो जाता था। खाने में खूब मिर्ची भर देते थे और कई गिलास पानी पी लेते थे, जिससे कि कम खाने में ही पेट भर जाए। फैसल ने बताया कि फिल्मों में आने से पहले कई अन्य काम किए जिसमें उन्होंने 20-20 घंटे समय दिया।

बचपन से ही फिल्म देखने का शौक था

फैसल मलिक ने कहा आम बच्चों की तरह मेरा बचपन भी सामान्य बीता। कभी नहीं सोचा था कि बड़ा होकर एक्टर ही बनूंगा। हां, फिल्में देखना बहुत पसंद था, लेकिन परिवार वालों को मेरी यह आदत बिल्कुल रास नहीं आती थी। इस कारण मैं छिप-छिप कर फिल्में देखता था। कई बार तो मेरी यह चोरी पकड़ी भी गई, मार भी बहुत पड़ी। कई दफा मार खाने के बाद भी फिल्में देखना बंद नहीं किया।

बच्चन साहब की तरह बनने का होता था सपना

इस सफर के बारे में फैसल कहते हैं, 'मैं 22 साल की उम्र में मुंबई आया। चूकि मै इलाहाबाद का रहने वाला हूं तो बच्चन साहब से प्रभावित था। शुरुआत में तो सबको लगता है कि मुंबई आने पर महानायक अमिताभ बच्चन ही बन जाएंगे। मुझे भी ऐसा लगता था हालांकि यहां रहने के बाद असलियत पता चलती है। जल्द ही एहसास हो गया कि ये आसान दिखने वाला काम बिल्कुल भी आसान नहीं है।

पैसे के लिए पिंगपांग तक खेला

फैसल ने अपने फिल्मी दुनिया के शुरुआती संघर्ष की कहानी बताई। उन्होंने बताया कि कैसे उनके चार मित्र साथ में रहते थे और खाने तक लिए पैसे नहीं होते थे वह पैसे के लिए कई जुगाड़ लगाते थे। उन्होंने बताया वह मुंबई में एक जगह जाते थे जहां जाइंट व्हील लगी थी जिसमें पिंगपांग का खेल होता था। उसमें सौ रुपये लागने पर और जीतने पर दौ या तीन सौ रुपये मिलते थे। उससे पहले हम यह कल्पना करते थे फ्राइड राइड खाएंगे और अगर ज्यादा पैसे जीतेंगे और कुछ ज्यादा चीजें मैन्यू में बढ़ा लेंगे। पर जैसे ही हारते थे तो फिर लगाता था कि जो मिल जाए वहीं खा लिया। इसके लिए कभी-कभी हम चंदा तक मिलाते थे। खैर वो बाते आज जब सोचतें है तो हंसी आती है।

बिल्ली के चक्कर में पुलिस ने कराई उठक-बैठक

उन्होंने मुंबई में शुरुआती दिनों का एक किस्सा बताया जब वह मशहूद अभिनेत्री स्वरा भास्कर की बिल्डिंग में ऊपर रहते थे और उनकी एक बिल्ली खो गई थी। वह और उनके दोस्त उसको ढूंढने के लिए रात में ढाई बजे निकले तो म्याऊं-म्याऊं आवाज करके उसको पुकार रहे थे क्योंकि बिल्ली का नाम ही ये था। तभी किसी ने पुलिस को शिकायत कर दी । पुलिस आई और हम लोगों से उठक-बैठक कराई।

चुनाव समिति के पास है टिकट वितरण का अधिकार: सुरजेवाला

» पार्टी महासचिव बोले- मेरी जेब में नहीं कांग्रेस का टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैथल (हरियाणा)। हरियाणा के कैथल के कलायत क्षेत्र में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने विधानसभा चुनाव में टिकटों के वितरण पर कहा कि मेरी जेब में टिकट नहीं है। यह अधिकार क्षेत्र केंद्रीय चुनाव समिति का है। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी शामिल रहेंगे। उन्होंने तो खुद कैथल टिकट का निर्णय भी राहुल गांधी पर छोड़ा है। वे जो भी फैसला लेंगे, वही स्वीकार होगा।

कलायत के गांव मटौर में किसान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष धर्मवीर कौलेखां के संयोजन में किसान मजदूर बचाओ और हरियाणा में परिवर्तन लाओ रैली को संबोधित जमकर गरजे। रैली के साथ-साथ मटौर गांव से कलायत उप मंडल कार्यालय तक ट्रैक्टर रोड शो में उमड़ी भीड़ के लिए उन्होंने धर्मवीर कौलेखां की पीठ थपथपाई।

एमपी कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी को लेकर घमासान जारी

मध्य प्रदेश में कांग्रेस को विधानसभा में मिली हार के बाद नए प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए जीतू पटवारी नई कार्यकारिणी बनाने के लिए लगातार मंथन कर रहे हैं। काफी समय बीत गया है, लेकिन अभी तक कार्यकारिणी का गठन नहीं हो पाया है। लगातार प्रदेश और दिल्ली में हुई बैठक के बाद अनुमान लगाया जा रहा था कि अगस्त माह में ही कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी लेकिन अब ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। कार्यकारणी के लिए कार्यकर्ताओं को अभी इंतजार करना होगा। वहीं मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व पूर्व सांसद नकुलनाथ से चर्चा के उपरांत कांग्रेस की समस्त कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। आगामी दिनों में जल्द ही नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। छिंदवाड़ा जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे व पांढुर्ना जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश झलके द्वारा इसकी जानकारी दी गाई।

जनता से जुड़े मुद्दों पर भाजपा बात करने को तैयार नही

उन्होंने कहा कि विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का हिसाब जरूर लिया जाएगा, लेकिन जनता से जुड़े मुद्दों पर भाजपा कोई बात करने को तैयार नहीं है। सुरजेवाला ने भाजपा को आड़ेहाथ लेते हुए कहा कि हर स्तर पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इसलिए अब भाजपा को भारतीय जनता पार्टी की बजाय भ्रष्टाचार जनक पार्टी कहा जाना चाहिए। सुरजेवाला ने आरोप लगाते हुए कहा कि आज हरियाणा का किसान, मजदूर, व्यापारी व गरीब के साथ भाजपा सरकार में खिलवाड़ हो रहा है। महगांई अपार है। 10 साल में हरियाणा प्रदेश के साथ-साथ कलायत क्षेत्र में आम जन 50 साल पीछे चला गया है। हर कोई यह जान चुका है कि कांग्रेस के राज में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

आरक्षण हड़पने की हो रही गंभीर साजिश: मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि आरक्षण हड़पने की भाजपा, कांग्रेस और सपा की साजिश से लोग कितना आक्रोशित हैं, यह बुधवार को आयोजित भारत बंद से साबित हो गया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी आरक्षण के उप-वर्गीकरण व क्रीमीलेयर के निर्णय के विरोध में हुए भारत बंद के सफल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत बंद में बसपा की प्रभावी भागीदारी एवं एकजुटता की अपील से यह सफलता मिली।

बसपा सुप्रीमो सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि भारत बंद में कांग्रेस-सपा आदि के उदासीन रवैये से इनकी जातिवादी सोच प्रमाणित होती है। वहीं बंद के दौरान पटना में निर्दोष लोगों पर पुलिस के लाठीचार्ज की निंदा करते हुए उन्होंने सरकार से दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भारत बंद के आयोजन के मद्देनजर आरक्षण के मुद्दे की संवेदनशीलता को गंभीरता से लेकर इसका शीघ्र उचित समाधान भी करे। देश में करोड़ों एससी-एसटी वर्ग के लोगों को आरक्षण के उनके हक की लड़ाई खुद अपने बल पर लड़नी होगी, तभी सफलता मिलेगी।

यूपी में महिला सुरक्षा बदहाल

वहीं दूसरी ओर उन्होंने यूपी में महिला सुरक्षा को बेहाल करार देते हुए कहा कि आगरा के सदर बाजार थाना क्षेत्र में एक नाबालिग दलित लड़की के साथ दुष्कर्म की हुई घटना दुखद व निंदनीय है। सरकार दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करे। साथ ही ऐसे उपाय भी करे, जिससे ऐसी वारदातें आगे न हो पाएं।

आप सांसद संजय सिंह को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से बड़ी को राहत मिली है। अब संजय सिंह को सुल्तानपुर की ट्रायल कोर्ट में सरेंडर नहीं करना पड़ेगा। हाईकोर्ट ने संजय सिंह की पुनरीक्षण याचिका विचारार्थ मंजूर करके उन्हें सुनाई गई सजा के फैसले के अमल पर अगले आदेशों तक रोक लगा दी है।

कोर्ट ने उन्हें इसके लिए 50 हजार रूपए का निजी बंधपत्र वचन के साथ दाखिल करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने यह आदेश संजय सिंह की ओर से दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर दिया। इसमें उन्होंने सुल्तानपुर की ट्रायल कोर्ट और वहीं की अपील कोर्ट के फैसले व आदेशों को कानून की मंशा के खिलाफ कहकर चुनौती दी थी। अभियोजन के मुताबिक पानी बिजली की समस्या को लेकर 23 साल पहले दिए गए धरना प्रदर्शन मामले में सुल्तानपुर की निचली अदालत ने संजय सिंह को 3 माह के साधारण कारावास के साथ एक हजार रुपए जुर्माने की सजा सुना दी थी। इसके खिलाफ दाखिल अपील को वहां की एक सत्र अदालत ने खारिज कर उन्हें सरेंडर करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ संजय सिंह ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल कर बरी करने का आग्रह किया ।हाईकोर्ट ने कहा कि निचली दोनों अदालतों के फैसले और आदेश दोषपूर्ण हैं। ऐसे में कानूनी प्रावधानों के तहत अभियुक्त के जेल में नहीं होने पर भी कोर्ट सजा को निलंबित कर सकता है।

केजरीवाल के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव: पाठक

» केजरीवाल आएंगे कैंपेन लॉन्च भाजपा व आप में छिड़ी रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल आएंगे कैंपेन लॉन्च किया। दिल्लीभर में केजरीवाल आएंगे के कई होर्डिंग लगाए गए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद डॉ. संदीप पाठक का कहना है कि दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

वहीं भाजपा ने हमला करते हुए नारा लगाया है कि जाएगा केजरीवाल। आप नेता ने कहा कि जब से केजरीवाल गए हैं, दिल्ली के बहुत सारे काम रुक गए हैं। जनता को भरोसा है कि उनके बाहर आने के बाद दिल्ली के रुके सारे काम तेजी से पूरे होंगे और कई लंबित समस्याओं का भी त्वरित समाधान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी केजरीवाल आएंगे का नारा लॉन्च कर संदेश देना चाहती है कि आगामी दिल्ली विधानसभा का चुनाव अरविंद केजरीवाल को केंद्र में रखकर लड़ा जाएगा और उनके नेतृत्व में एक बार फिर दिल्ली की जनता प्रचंड बहुमत देकर आम आदमी पार्टी की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने केवल दिल्ली के काम रोकने के लिए एक झूठे केस में केजरीवाल को जेल में डाला हुआ है, ताकि जनता परेशान हो जाए। एलजी के अधीन अधिकारी चाहकर भी जनता के काम सही से नहीं कर पा रहे हैं। इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है।

दिल्ली के बुजुर्गों की रुकी हुई पेंशन शुरू

पिछले पांच महीने से दिल्ली के बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन का इंतजार था। लेकिन अब उनका इंतजार खत्म हो गया है। राजधानी के एक लाख बुजुर्गों की वृद्धावस्था पेंशन जाना शुरू हो गई है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि बुजुर्गों के खाते में पेंशन भेजी जा रही है। उन्होंने सोशल मीडियो पर पोस्ट में यह बात लिखी है। आतिशी ने लिखा, पिछले पांच महीनों से बीजेपी की केंद्र सरकार ने दिल्ली के एक लाख बुजुर्गों की वृद्धावस्था पेंशन रोकी हुई थी। अब मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सीएम केजरीवाल सरकार ने लड़-लड़कर बुजुर्गों की रुकी हुई पेंशन को शुरू करवा दिया है। बुजुर्गों के बैंक अकाउंट में पिछले पांच महीने की पेंशन जानी शुरू हो गई है।

केजरीवाल आयेंगे होर्डिंग प्रचार लोकतंत्र का माखौल उड़ाने जैसा : वीरेंद्र सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल आयेंगे होर्डिंग प्रचार से यह साफ हो गया है कि आम आदमी पार्टी का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। जो व्यक्ति जेल में है और जिसे रिहा करना और नहीं करना न्यायालय के विवेक पर है, उसके लिए होर्डिंग प्रचार अभियान छेड़ना ना सिर्फ न्यायालय की अवमानना है बल्कि लोकतंत्र का भी मजाक उड़ाना है। सचदेवा ने आगे कहा कि दिल्ली सरकार से जनता पूरी तरह हताश है। बिजली के बिलों की लूट, पेयजल संकट, बरसात में जलजमाव, नये राशन कार्ड एवं नई सामाजिक पेंशन ना बनना, चरमराई बस सेवा, टूटी सड़कें, उजड़े पार्क और ठप सरकारी अस्पताल, स्कूलों से जनता परेशान है।

ऐसा कोई सगा नहीं जिसे हेमंत ने ठगा नहीं: शिवराज

» चंपई सोरेन के बहाने झारखंड के मुख्यमंत्री पर बीजेपी का वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में घमासान को लेकर भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुटकी ली है। दरअसल, चंपई सोरेन की तरफ से बगावत को लेकर विपक्षी दलों की निगाहें झारखंड में बड़े उलटफेर पर बनी हुई हैं।

भाजपा नेता लगातार राज्य की राजनीतिक स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इस बीच शिवराज ने भी इस मामले पर बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, जिस तरह से उन्हें (चंपई सोरेन) अपमानित किया, किसी कार्यक्रम में भाग लेने से मना कर दिया जाता है, उन्होंने खुद अपने दर्द को बयां किया है। हेमंत सोरेन अहंकार से भरे हुए हैं, यही व्यवहार उन्होंने सीता जी (सीता सोरेन) के साथ किया था। ऐसा कोई सगा नहीं जिसे हेमंत सोरेन ने ठगा नहीं, केवल खुद सत्ता में बने रहने के लिए दूसरों को अपमानित करते हैं।

हरियाणा की चुनावी रण को सब तैयार

» इनेलो-बसपा ने बनाई रणनीति

» चुनावी घोषणात्रों पर काम शुरू

बड़े नेताओं ने कसी कमर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद राज्य में सियासी दल पूरी तरह से सक्रिय हो गए हैं। कांग्रेस, भाजपा, जजपा से लेकर बसपा व इंडियन लोक दल तक रणनीति बनाने लगे हैं। भाजपा व कांग्रेस ने अपनी-अपनी पार्टियों के घोषणा पत्र बनाने के लिए टीमें भी बना दी हैं। जो जल्द समाने आ जाएगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव में गठबंधन कर उतरने वाली इनेलो और बसपा ने भी कमर कस ली है। इसी के तहत दोनों पार्टियां मजबूत प्रत्याशियों की तलाश है। दोनों पार्टियां सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान कर चुकी हैं, लेकिन सभी सीटों पर प्रत्याशी उतराना चुनौती बना हुआ है।

ऐसे में दोनों ही दलों को भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की सूची जारी होने का इंतजार है। इसके बाद जिन नेताओं की टिकटें कटेंगी, इनेलो-बसपा उन पर दांव खेलने की तैयारी में हैं।

भाजपा व कांग्रेस ने मोर्चा संभाला

जजपा ने तोड़ा इनेलो का वोट बैंक

अब तक प्रदेश में बसपा को हर चुनाव में 5 से 6 प्रतिशत तक वोट मिले हैं। 2018 से पहले इनेलो प्रदेश में 15 से 28 फीसदी तक वोट लेता रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में इनेलो के दो सांसद थे और उन्हें 24.4 प्रतिशत मत मिले थे। 2019 में पार्टी के दो फाड़ होने के बाद इनेलो का सबसे खराब प्रदर्शन रहा और उसे मात्र 1.9 प्रतिशत वोट मिले। 2019 के लोकसभा चुनाव में इनेलो से टूटकर बनी जजपा 4.9 प्रतिशत वोट ले गई। यह इनेलो का ही वोट बैंक था।

फिलहाल इनेलो नेता अभय चौटाला और बसपा नेता आकाश आनंद प्रदेश के अलग-अलग हलकों में जाकर संगठन को मजबूती दे रहे हैं और प्रत्याशियों का फीडबैक ले रहे हैं। प्रदेश की 90 में से 53 सीटों पर इनेलो और 37 सीटों पर बसपा चुनाव लड़ेगी। बेशक चुनाव की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी तक दोनों दल अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र तय नहीं कर पाए हैं, कि कहां से किस दल के प्रत्याशी उतारे जाएंगे। इनेलो के लिए यह चुनाव और भी बड़ी चुनौती है, क्योंकि उस पर चुनाव चिह्न चश्मे का निशान तक छीनने की नौबत आई हुई है। इनेलो नेता अभय चौटाला खुले तौर पर कह चुके हैं कि अगर कोई और दल उनके साथ समझौता करता है तो इनेलो कुछ सीटें उसके लिए छोड़ सकता है। इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनेलो के पास अभी सभी सीटों पर मजबूत प्रत्याशी नहीं हैं।

आरक्षित सीटों पर बसपा की नजर

संभावना है कि प्रदेश की आरक्षित 17 सीटों पर बसपा अपने उम्मीदवार उतार सकती है। क्योंकि यहां पर दलित वोट बैंक अधिक है और यहां पर अलग-अलग दलों से कई-कई नेता टिकट की दौड़ में हैं। ऐसे में बसपा को उम्मीदवार मिलने में आसानी रहेगी। इसके अलावा जहां-जहां पहले बसपा मजबूत स्थिति में रही है, वहां पर भी पार्टी प्रत्याशी उतारेगी। इनमें यमुनानगर जिले के छछरौली, जगाधरी, करनाल के असंध समेत अन्य विधानसभा क्षेत्रों से बसपा अपने प्रत्याशी उतार सकती है।

पुराने गढ़ से इनेलो को उम्मीद

इनेलो को अपने पुराने गढ़ से पूरी आस है। इसलिए इनेलो उन विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगा, जहां पर पहले इनेलो का बड़ा प्रभाव रहा है। इनमें सिरसा जिले की सभी सीटें, जींद, उचाना, जुलाना, सफीदों के साथ-साथ कैथल, कुरुक्षेत्र जिले की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे जाएंगे। साथ ही मेवात, भिवानी और हिसार में भी इनेलो प्रत्याशी उतारेगा। इन सभी इलाकों में 10 साल पहले इनेलो का पूरा प्रभाव था।

प्रचार सामग्री की जिम्मेदारी भी बीजेपी ने किया तय

प्रचार सामग्री प्रमुख की जिम्मेदारी यमुनानगर के मेयर मदन चौहान व सह प्रमुख की जिम्मेदारी गुरदयाल सुनहेड़ी की होगी। साहित्य सामग्री वितरण की जिम्मेदारी मदन गोयल को दी गई है। साहित्य छपवाने की जिम्मेदारी प्रमुख के तौर पर मानस डेका व सह प्रमुख के तौर पर मदन गोयल व श्याम लाल बंसल की होगी। प्रचार सामग्री व साहित्य वितरण का कार्य मंजीत गोस्वामी प्रमुख व सन्नी नारा सह प्रमुख के तौर पर संभालेंगे। प्रवास का कार्य व राष्ट्रीय नेताओं के कार्यक्रम डॉक्टर अर्चना गुप्ता, राज्यस्तर के कार्यक्रम सुरेंद्र पूनिया व विशेष नेताओं के कार्यक्रम सुरेंद्र आर्य संभालेंगे। टीवी व प्रिंट मीडिया विज्ञापन प्रमुख उमेश शर्मा व सह प्रमुख संदीप कौशिक को बनाया गया है। वाहन इत्यादि का इंतजाम नागेंद्र शर्मा व हेलीकॉप्टर व चार्टड प्लेन की जिम्मेदारी कैप्टन भूपेंद्र व सतीश आहूजा की रहेगी। वीडियो वैन का कार्य महेश यादव व सुनीता गोयल संभालेंगी। लेखाजोखा प्रमुख अजय बंसल रहेंगे, जबकि वरिंद्र गर्ग सह प्रमुख होंगे। संसाधन विभाग विधायक नरेंद्र गुप्ता व मेयर मनमोहन गोयल संभालेंगे। दस्तावेजीकरण का काम प्रवीन जैन, विशाल सेठ व विकास शर्मा देखेंगे। आंकड़ों की जिम्मेदारी जवाहर यादव व नरेंद्र खट्टर की रहेगी। घोषणा पत्र तैयार करने की जिम्मेदारी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, कृष्णलाल पंवार, वेदपाल एडवोकेट, विपुल गोयल, किरण चौधरी, भव्य बिश्नोई, सुनीता दुग्गल व भूपेश्वर दयाल की रहेगी। आरोप पत्र विभाग के प्रमुख राजीव जेटली होंगे, इसमें पवन सैनी, सतीश नांदल, रामचंद्र जांगड़ा, कैप्टन अभिमन्यु व अभय यादव होंगे। डिजीटल विभाग प्रमुख राजीव जेटली को बनाया गया है, साथ में कपिल सोनी सह प्रमुख होंगे। सोशल मीडिया अरुण यादव व मनोज ढाणा संभालेंगे। आईटी व हाईटेक विभाग आदित्य चावला, संदीप हिंदुस्तानी को दिया गया है। इसके अलावा सांस्कृतिक, व्यापारिक, युवा वर्ग, महिला वर्ग, किसान वर्ग, एससी, घुमंतू, पूर्व सैनिक, आवास व्यवस्था, जनसभा, प्रवासी कार्यकर्ता व बूथों का भी कार्यभार सौंपा गया है। उधर हरियाणा के जींद के उचाना में पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि दो-चार विधायकों वाली पार्टी को उन्होंने 47 तक पहुंचाया। भाजपा का उन पर कोई अहसान नहीं है। भाजपा में दलाली चलने के भी उन्होंने आरोप लगाए। बीरेंद्र सिंह विभिन्न गांवों का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा के गांवों में भाजपा का कोई नाम लेने वाला नहीं था। उस समय भाजपा को उनके जैसे आदमी की जरूरत थी। उन्होंने हमारे ऊपर कोई अहसान नहीं किया बल्कि अहसान तो हमने भाजपा पर किया। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से भाजपा हर वर्ग को बांटने की राजनीति करती है, उसे देश बर्दाश्त नहीं करेगा।

पूरी तैयारी से बनेगा भाजपा का घोषणा पत्र

हरियाणा के रोहतक में भाजपा की चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता कर रहे प्रदेश प्रभारी डॉक्टर सतीश पूनिया के साथ प्रबंधन समिति संयोजक कुलदीप बिश्नोई, राज्यसभा सदस्य कृष्णलाल पंवार भी मौजूद रहे। मंथन के बाद समिति सदस्यों को विधानसभा चुनाव के लिए जिम्मेदारियां तय की गई हैं। कुलदीप बिश्नोई चुनाव प्रबंधन के संयोजक रहेंगे, जबकि कृष्णलाल पंवार व वेदपाल एडवोकेट सह संयोजक होंगे। अरविंद यादव चुनाव कार्यालय प्रमुख, हरविंद कोहली व राज शर्मा सह प्रमुख होंगे। दीपक कुमार को कार्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मानस डेका को कॉल सेंटर प्रमुख और आदित्य चावला व प्रशांत राणा को सह प्रमुख बनाया गया है। अतिथि विभाग की प्रमुख रेणु डाबला व सह प्रमुख सुमित हुड्डा होंगे। चुनाव आयोग से संपर्क व न्यायिक मामले के प्रमुख वरिंद्र गर्ग और सह प्रमुख अरुण तेवतिया व नरेंद्र गुर्जर होंगे। जवाहर यादव को मीडिया प्रमुख और संजय शर्मा, अरविंद सैनी, ईश राणा व अशोक छाबड़ा को सह प्रमुख बनाया गया है। मीडिया संपर्क की जिम्मेदारी प्रमुख के तौर पर अशोक छाबड़ा और सह प्रमुख के तौर पर शमशेर खरक व नवीन गर्ग की रहेगी।

दुष्यंत चौटाला युवाओं को देंगे मौका

जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने एक सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों की सूची जारी करने का एलान किया है। इसमें सबसे ज्यादा युवाओं को मौका दिया जाएगा। दुष्यंत ने कहा कि एक सितंबर से पूर्व पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक होगी। इसी दौरान उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा करके प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। जजपा ने सिरसा में होने वाले कार्यक्रम में अग्निवीरों को मुफ्त शिक्षा देने की बड़ी घोषणाएं की है। पार्टी जल्द महिला, किसान, कमजोर वर्ग के हित में घोषणाएं करेगी। दुष्यंत ने बताया कि सरकार में हिस्सेदारी के दौरान 2019 के अपने चुनाव घोषणा पत्र के प्रत्येक बिंदु पर पार्टी ने काम किया था। कुरुक्षेत्र में रविदास मंदिर निर्माण, 75 प्रतिशत रोजगार कानून, पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, बीसीए को आठ प्रतिशत आरक्षण जैसी अनेक घोषणाओं पर काम करके दिखाया है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हमारे पास 10 विधायक होते तो हम राज्यसभा उम्मीदवार का नामांकन भरवा देते। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा 30 से ज्यादा विधायकों का समर्थन होने के बावजूद डर रहे हैं। अब भी भूपेंद्र हुड्डा के पास समय है, अगर हुड्डा हिम्मत दिखाएं तो वह खुद उनके साथ जाकर उम्मीदवार का नामांकन भरवाने के लिए तैयार हैं। वहीं, जजपा के विधायकों पर दुष्यंत ने कहा कि साथ छोड़ने वालों को ही सही कारण पता होगा। वहीं सीएम नायब सैनी ने कहा था कि राज्यसभा चुनाव के लिए हुड्डा और दुष्यंत आपस में लड़ रहे हैं। दोनों ही अपने पेट के लिए लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव के बाद दोनों पल्ली पर बैठे दिखाई देंगे। इस पर दुष्यंत चौटाला ने एक्स पर तंज कसा। चौटाला ने लिखा-वाकिफ हो जाओगे हरियाणा के हाल से.. आप चुनाव लड़कर देखिए करनाल सेवाकफ़ि हो जाओगे हरियाणा के हाल से,आप चुनाव लड़कर देखिए करनाल से। उधर दुष्यंत ने आरोप लगाते हुए लिखा कि अगर भूपेंद्र हुड्डा की भाजपा से सांठ-गांठ नहीं है तो वो राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करें। हम पहले ही भाजपा के खिलाफ वोट करने का वादा कर चुके है। दुष्यंत तंज कसते हुए शायरी लिखी कि जेल के डर से बार-बार बिकता रहे, उधर का हो और इधर का दिखता रहे। हरियाणा कांग्रेस के अपने एक्स पर पोस्ट किया कि साढ़े चार साल भाजपा की गोदी में खेले और अब दोनों भाई दारू घोटाले की फाइलों के डर से भाजपा के पैरों में लिपटे हैं। सुनो डिप्टी, इस बार पचहत्तर पार या जमना पार वाली सांठ-गांठ नहीं चलेगी। जनता आपका अंजाम वही करेगी, जो एक जनादेश के गद्दार का होना चाहिए। हरियाणा कांग्रेस की पोस्ट का जजपा के एक्स हैंडल से जवाब दिया गया। जजपा की तरफ से लिखा गया कि जिसने बेटे के लिए दी सारी कांग्रेस मार, बताओ कौन है वो गद्दार? जिसने जमीन छीनकर लूटे जमींदार, बताओ कौन है वो गद्दार? जिसने स्याही कांड से करी पार्टी लाचार, बताओ कौन है वो गद्दार? जो बीजेपी का साथी, जी-23 का सरदार, बताओ कौन है वो गद्दार?

लोगों ने दुष्यंत पर कसा तंज- हरियाणा का भट्ठा न बैठाना

हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार व प्रसार के लिए सोशल मीडिया बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यही वजह है कि हर नेता सोशल मीडिया में काफी सक्रिय है। नेता सोशल मीडिया से लोगों तक पहुंच बना रहे हैं। हालांकि कई बार नेताओं के पोस्ट का जनता पोस्टमार्टम भी कर देती है। पोस्ट पर जनता भी खूब भड़ास निकालती है। ऐसा ही कुछ जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के साथ भी हुआ है। दुष्यंत चौटाला ने एक्स पर एक पोस्ट किया, जिसमें जनता ने उनके खूब मजे लेते हुए अपनी तीखी प्रतिक्रियाएं दीं। मैं सीखता जा रहा हूँ,बुजुर्गों से, गलतियों से, मुश्किलों से।मेरी विधानसभा उचाना के जीवनपुर और धनखड़ी गाँव में। दरअसल जजपा का भाजपा के साथ गठबंधन में रहने के कारण लोगों दुष्यंत चौटाला की पोस्ट पर खूब भड़ास निकाल रहे हैं। दुष्यंत ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मैं सीखता जा रहा हूं, बुजुर्गों से, गलतियों से और मुश्किलों से। इस पोस्ट के साथ दुष्यंत ने दो फोटो भी शेयर की है। इस पोस्ट पर तमाम लोगों ने तीखी प्रक्रिया दी है। कृष्ण कुमार नाम के शख्स ने दुष्यंत चौटाला के पोस्ट पर कमेंट किया कि ट्रेनिंग के चक्कर में हरियाणा का भट्ठा न बैठा देना, जब सीख ले तब बताना। इसी तरह अमन वशिष्ठ नाम के एक्स हैंडल से लिखा कि भाई पांच साल लोकसभा सांसद, साढ़े चार साल हरियाणा प्रदेश में उपमुख्यमंत्री के पद पर रहने के बाद भी अगर नहीं सीख पाए तो भाई इब मेरे विचार से तो मुश्किल है। दरअसल भाजपा के साथ गठबंधन सरकार को लेकर दुष्यंत चौटाला और जजपा का विरोध ज्यादा दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर भी लोग इस गठबंधन, किसान आंदोलन में जजपा के अनदेखी को लेकर काफी तंज कस रहे हैं। रामफल खटकड़ के नाम से एक्स हैंडल से लिखा कि भाई साहब इसी धनखेड़ी गांव ने आपको ट्रैक्टर पर बैठाकर पूरा सम्मान दिया था। गांव की चौपाल में आपकी माता श्री से प्रण दिलवाया था कि कुछ भी हो जाए बीजेपी में नहीं जाओगे, लेकिन आपने पूरे हलके का विश्वास तोड़ा। बीरेंद्र ते तो पहला दुखी थे, आपने और कर दिए। वहीं, राहुल पंवर ने लिखा कि भाई जब पूरी तरह सीख जाओ तब बता देना, एक बार हरियाणा को बर्बाद कर चुके, इब तेरी बारी कोणी। वहीं दुष्यंत के कई समर्थक जजपा और दुष्यंत चौटाला जिंदाबाद भी लिख रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

समाज में फिर वापस लानी होगी समरसता!

पिछले दस सालों में भारत में एक वर्ग को टारगेट करने की वजह से समाज में कड़वाहट फैली है। इस तरह मनुष्य सब कुछ बना गया पर मनुष्य नहीं बन पा रहा है। कुछ कट्टर सोच वालों की वजह से समाज में समरसता भी कम हुई हैं। इसके लिये समाज के साथ राजनीतिक व बौद्धिक लोगों की चुप्पी भी कारण हैं। अब हम सबकी जिम्मेदारी है जो हमारे पूर्वजों ने आपसी प्रेम व भाईचारे वाले परिवेश का निमार्ण किया था वह फिर से वापस आए और एक दूसरे से बैर भाव को खत्म कर देश को टूटने से बचाया जाए। जन्म से हम आदमी हो सकते हैं किंतु मनुष्य या इंसान एक प्रक्रि या से गुजरने के बाद ही आप बनते हैं। हमारे समाज में मनुष्य बनाने के स्कूल थे। हमारा परिवार, समाज और विद्यालय तथा धर्मगुरु इस प्रक्रि या को संभव करते थे समता, ममता और समरसता हमारे भारतीय लोकजीवन का अभिन्न अंग है। हम जिस देश में रहते हैं उसके ऋषि कहते हैं- 'सर्वभूतहिते रता:।' प्रकृति से साथ हमारा संवाद बहुत पुराना है। इसलिए हमने अपनी समूची सृष्टि को स्वीकारा।

किसी को विरोधी नहीं माना। पेड़, पहाड़, नदियां, समुद्र, वनस्पतियां, जलचर, नभचर, जीव-जंतु, मनुष्य सबमें ईश्वर का वास मानने वाले हम ही हैं। हम ही कह पाए जो जड़ में है वही चेतन में है। कण-कण में ईश्वर का वास मानने वाली संस्कृति ही भारतीय संस्कृति है। काल के प्रवाह में विचलन स्वाभाविक है। आज हमें समता, समरसता और अधिकारों की बात करनी पड़ रही है। सुधारों की बात करनी पड़ रही है, क्योंकि विचलन ने हमें उन मूल्यों से विरत कर दिया, जहां एक आदमी को ईश्वर बन जाने की स्वतंत्रता थी। आदमी का मनुष्य बनना और फिर देवत्व की तरफ बढ़ना साधारण नहीं है। उसके मूल्यनिष्ठ होते जाते की मुनादी है, घोषणा है। ऋषि कहते हैं- 'मनुं भव:' यानि मनुष्य बनो। यही बाद बाद में गालिब के मुंह से निकलती है-यूं तो मुश्किल है हर काम का आसां होना,आदमी को मयस्सर नहीं इंसा होना। मनुष्य-मनुष्य में भेद को हमने अपराध माना। इसीलिए गुरू घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। इसी बात को गांधी छुआछूत के संदर्भ में कहते हैं- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। हिंदू समाज में आई जड़ता को तोड़ने के लिए समय-समय पर सुधारवादी आंदोलन चलते रहे हैं। हिंदु स्वयं एक ऐसा समाज है, जिसने अपने आत्मसुधार के लिए निरंतर यत्न किए हैं। हम सब ऋषियों की संतति हैं यह भाव लेकर काम करते रहे हैं। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर, कबीर, नानक, गुरू गोरखनाथ, गुरू घासीदास, संत रविदास से लेकर एक पूरी परंपरा जड़ताओं और कुरीतियों पर प्रहार करते हुए आत्मालोचन के लिए प्रेरित करती रही है। हमे फिर से अच्छे भाव लाना होगा तभी सब मिलकर 'समर्थ भारत' बना पाएंगे।

"जन्म से हम आदमी हो सकते हैं किंतु मनुष्य या इंसान एक प्रक्रि या से गुजरने के बाद ही आप बनते हैं। हमारे समाज में मनुष्य बनाने के स्कूल थे। हमारा परिवार, समाज और विद्यालय तथा धर्मगुरु इस प्रक्रि या को संभव करते थे समता, ममता और समरसता हमारे भारतीय लोकजीवन का अभिन्न अंग है। हम जिस देश में रहते हैं उसके ऋषि कहते हैं- 'सर्वभूतहिते रता:।' प्रकृति से साथ हमारा संवाद बहुत पुराना है। इसलिए हमने अपनी समूची सृष्टि को स्वीकारा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों से कोलकाता में एक महिला डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या चर्चा में है। इसे कोलकाता का निर्भया कांड कहा जा रहा है। निर्भया की दुष्कर्म और हिंसक मारपीट के बाद सिंगापुर के अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। इस डाक्टर के साथ अपराध वहां किए गए हैं, जहां वह काम करती थी। क्यों सड़कें, घर, अस्पताल, दफ्तर, महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हैं। निर्भया कांड के बाद दिल्ली में तेज आंदोलन हुआ था। उस समय सारा विपक्ष निर्भया के समर्थन में उतर आया था। और एक बेहद गरिमामय मुख्यमंत्री शीला दीक्षित चुनाव हार गई थीं। लेकिन कोलकाता के केस में ममता बनर्जी की सरकार और विपक्ष का बड़ा तबका अगर-मगर कर रहा है। देशभर में डाक्टरों के स्वत: स्फूर्त आंदोलनों को केंद्र की सत्ताधारी पार्टी से जोड़ा जा रहा है। यहां तक कि डाक्टरों को बीजेपी का सपोर्टर बताया जा रहा है।

कितने अफसोस की बात है कि शीला दीक्षित को तो बार-बार इस छड़ी से पीटा गया था कि एक महिला मुख्यमंत्री के राज्य में ऐसा हुआ। उन्हें निर्भया को श्रद्धांजलि देने तक से रोक दिया गया था। लेकिन बंगाल के मामले में लोगों ने चुप्पी साध रखी है। यही नहीं, निर्भया के बारे में जो तर्क दिए गए थे कि वह इतनी रात बाहर निकली ही क्यों थी। जैसे कि लड़कियां रात में बाहर निकलेंगी तो पुरुषों को यह अधिकार मिल जाएगा कि उनके साथ कुछ भी करो। दुष्कर्म करो, उन्हें मार डालो। कोलकाता में भी ऐसे ही तर्क सत्ताधारी दल के द्वारा दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि वह लड़की सेमिनार रूम में उस वक्त क्या कर रही थी। अपराधी से कोई सवाल नहीं पूछे जा रहे कि वह वहां क्या करने गया था। कई लोग यह भी कह रहे हैं कि यह मामला मानव अंगों की तस्करी से जुड़ा है। इसमें बहुत से लोग शामिल हैं। महिला डाक्टर को इस बारे में पता चल गया था, वह इसकी शिकायत भी करना चाहती थी, इसलिए उसे खत्म कर दिया गया। सच जो भी हो, लेकिन एक स्त्री ने वहां जान गंवाई है, जहां वह काम करती थी। आखिर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की क्यों नहीं थी।

उसके माता-पिता को तीन घंटे तक उसके शव को क्यों नहीं देखने दिया गया। अज्ञात लोगों ने बड़ी संख्या में आकर अस्पताल में तोड़-फोड़ क्यों की। बहुत से सवाल हैं जो अनुत्तरित

हैं। सबसे ज्यादा तकलीफ कोलकाता के सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा दिए गए बयानों से हो रही है। क्या सचमुच हमारे राजनेता, जिनमें स्त्री हों या पुरुष, अपनी-अपनी सत्ता बचाने के लिए इतने अमानवीय हो गए हैं। औरतें सहज शिकार हैं और उनसे कोई सहानुभूति भी नहीं। निर्भया कांड के बाद नए रेप कानून की मांग की गई थी कि उसे इतना कठोर बनाया जाए कि अपराधियों की रूह कांपे। कानून बना, मगर ऐसा हो नहीं सका है। सोचें कि जब पढ़ी-लिखी स्त्रियों के साथ सरेआम ऐसा हो रहा है, तो उन गरीब स्त्रियों का क्या, जिनकी पहुंच न पुलिस तक होती है, न कानून तक। कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों की पोस्ट पढ़कर तो लगता है कि ये भी इंसान कहलाने के लायक नहीं। एक आम तर्क यह दिया जा रहा है कि कोलकाता पर बोलने वाले उत्तराखंड के दुष्कर्म पर क्यों नहीं बोले, मणिपुर पर क्यों चुप रहे। मान लीजिए कि कोई उस वक्त नहीं बोला, तो क्या इस वक्त उसने अपने बोलने के अधिकार को किसी के पास गिरवी रख दिया कि जब आपकी राजनीति को सूट करे तब आपसे पूछकर कोई बोले। देश में इन दिनों या तो आप पक्ष में हो सकते हैं, या विपक्ष में। बीच की वह रेखा मिटा दी गई है जहां जब कोई दल अच्छा काम करे, तो उसकी तारीफ की जाए और बुरा करे तो निंदा।

आखिर काम-काज की जगह पर स्त्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने से क्यों बचना चाहिए। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वत: संज्ञान लिया है, तो इस पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या महिला और महिला के दुष्कर्म में फर्क होता है। महिलाओं के प्रति अपराध कहीं भी हों, देश में किसी भी सत्ताधारी दल की सरकार हो, वह निंदनीय है। लेकिन उंगली अक्सर दूसरे की तरफ ही उठती है। दफ्तरों में यौन प्रताड़ना की निगरानी करने वाली कमेटियां सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर महिला सुरक्षा के लिए ही बनाई गई थीं। क्या कोलकाता की डाक्टर के साथ हुआ अपराध इस श्रेणी में नहीं आता।

दिल्ली में जब एक महिला की घर से कुछ दूर रात में हत्या कर दी गई थी, तब से यह कानून बनाया गया था कि रात में जो कैब महिला को छोड़ने जाएगी, वहां उसके साथ दफ्तर का कोई आदमी होगा, जो उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। यही नहीं, जब तक महिला अपने घर के अंदर नहीं चली जाएगी, तब तक कैब वहां से नहीं जाएगी। डाक्टर जो बहत्तर-बहत्तर घंटे ड्यूटी करते हैं, उन्हें सड़क पर तो छोड़िए, अपने काम-काज के स्थान पर सुरक्षा न मिले तो यह कितनी खतरनाक बात है।

आर्थिक तरक्की के लिए कार्यकुशलता जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में भारत सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। दुनिया में सबसे ज्यादा युवा भारत में ही रहते हैं। सबसे ज्यादा आबादी वाले चीन से भी 47 प्रतिशत ज्यादा। हमारे देश में इस वक्त 138 करोड़ लोग हैं। इनमें से 25 करोड़ 15 से 25 साल के बीच हैं। यानी, कुल आबादी का 18 प्रतिशत से ज्यादा। वहीं, चीन में सिर्फ 17 करोड़ लोग ऐसे हैं जो यूएन के नॉर्म के मुताबिक युवा हैं। मतलब चीन की कुल आबादी 144 करोड़ के हिसाब से वहां 12 फीसदी लोग ही युवा हैं। अब सवाल यह है कि इतनी बड़ी युवा आबादी का भारत क्या सकारात्मक उपयोग कर पा रहा है? आंकड़ों के मुताबिक साल दर साल बेरोजगारी बढ़ रही है और देश में स्किल्ड युवाओं की भारी संख्या में कमी है।

भारत में नई शिक्षा नीति के माध्यम से ज्ञान को व्यावहारिक बनाने की कवायद चल रही है। नई पहल के तहत अब नान-टेक्निकल पढ़ाई करने वाले छात्रों मसलन बीए, बीकाम, बीएससी करने वालों को अब रोजगार के लिए भटकना नहीं होगा। टेक्निकल स्नातकों की तरह उन्हें भी न्यूनतम धनराशि के साथ अप्रेंटिसशिप का मौका मिलेगा। इसके बाद उन्हें आसानी से रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। हालांकि, इसके लिए उन्हें पढ़ाई पूरी करते ही रोजगार से जुड़े क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद वह अप्रेंटिसशिप या सीधे नौकरी हासिल कर सकेंगे। इस पहल में देश में हर साल उच्च शिक्षा हासिल करके निकलने वाले करीब एक करोड़ छात्रों पर फोकस किया गया है। मौजूदा समय में देश में उच्च शिक्षा से करीब 4.33 करोड़ छात्र जुड़े हैं। शिक्षा मंत्रालय की नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम के तहत स्नातकों को हर माह न्यूनतम नौ हजार और डिप्लोमाधारियों को आठ हजार रुपये मिलेंगे। रोजगार के लिए देश में हर साल उच्च शिक्षा हासिल करके निकले एक करोड़ छात्रों पर इस स्कीम का फोकस है।

इसके तहत शिक्षा मंत्रालय ने कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के साथ ही एक करार किया है। इसके जरिये इन सभी छात्रों को पढ़ाई के बाद रोजगार मुहैया कराने वाले क्षेत्रों की जरूरत को ध्यान में रखकर एक महीने से लेकर छह महीने तक के कोर्स कराए जाएंगे। इसके बाद उन्हें उन क्षेत्रों में रोजगार हासिल करने में सहूलियत होगी। मौजूदा समय में देश में करीब पांच लाख सीएससी हैं। स्नातकों को हर माह न्यूनतम नौ हजार और डिप्लोमाधारियों को आठ हजार रुपये मिलेंगे। इसकी आधी राशि शिक्षा मंत्रालय देगा, बाकी राशि अप्रेंटिसशिप कराने वाली कंपनी देगी। मंत्रालय के मुताबिक इसके तहत इस साल करीब 2.66 लाख छात्रों को अप्रेंटिसशिप कराई जा रही है। इसकी अवधि छह माह से डेढ़ साल तक की है। नान-टेक्निकल क्षेत्र में स्नातक करते ही छात्रों के पास अप्रेंटिसशिप करने के लिए पांच साल का ही मौका रहेगा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने युवाओं को रोजगार से जोड़ने की इस नई पहल की शुरुआत करने के साथ छात्रों के इस अप्रेंटिसशिप की पहली किस्त भी जारी की है। इसके तहत अगले सौ दिन में 100 करोड़ रुपये देने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा, युवाओं के लिए स्किलिंग भी अहम बनाई जाएगी।

ज्ञात हो, नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम के तहत अभी तक सिर्फ टेक्निकल यानी बीई, बीटेक या पालीटेक्निक करने वाले छात्रों को ही अप्रेंटिसशिप मुहैया कराई जाती थी। मंत्रालय के मुताबिक, अप्रेंटिसशिप व इंटर्नशिप में मुख्य अंतर यह है कि अप्रेंटिसशिप उन क्षेत्र में छात्रों के अनुभव में जुड़ती है जबकि इंटर्नशिप अनुभव में नहीं जुड़ती है। मार्च, 2020 के बाद से दुनिया ने कोरोना के साथ रहना सीख लिया है, लेकिन इस दौरान दुनियाभर में बड़े बदलाव देखने को मिले, जीवन से जुड़े लगभग हर क्षेत्र में शारीरिक, मानसिक और आर्थिक परिवर्तन हुए। शिक्षा, चिकित्सा और टेक्नोलॉजी को लेकर पूरी दुनिया में कई तरह के बदलाव एक साथ देखने को मिल रहे हैं। भारत में भी युवाओं के लिए शिक्षा के साथ कौशल विकास पर तेजी से काम हो रहा है। असल में हमने यह बात समझने में बहुत देर कर दी कि अकादमिक शिक्षा की तरह ही बाजार की मांग के मुताबिक उच्च गुणवत्ता वाली स्किल की शिक्षा देनी भी जरूरी है।

एशिया की आर्थिक महाशक्ति दक्षिण कोरिया ने स्किल डेवलपमेंट के मामले में चमत्कार कर दिखाया है और उसके चौंधिया देने वाले विकास के पीछे स्किल डेवलपमेंट का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। इस मामले में उसने जर्मनी को भी पीछे छोड़ दिया है। वर्ष 1950 में दक्षिण कोरिया की विकास दर हमसे बेहतर नहीं थी। लेकिन इसके बाद उसने स्किल विकास में निवेश करना शुरू किया। यही वजह है कि 1980 तक वह भारी उद्योगों का हब बन गया। उसके 95 प्रतिशत मजदूर स्किल्ड हैं या वोकेशनली ट्रेंड हैं, जबकि भारत में यह आंकड़ा तीन प्रतिशत है। ऐसी हालत में भारत कैसे आर्थिक महाशक्ति बन सकता है? स्किल इंडिया बनाने के उद्देश्य से मोदी सरकार ने अलग मंत्रालय बनाया है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट मिशन भी बनाया गया है। केन्द्रीय बजट में भी इसके लिए अनुदान दिया गया है। मतलब पहली बार कोई केंद्र सरकार इसके लिए इतनी संजीदगी से काम करने की कोशिश कर रही है। इसे देखते हुए लगता है कि स्किल डेवलपमेंट को लेकर केंद्र सरकार की सोच और इरादा तो ठीक है लेकिन इसका कितना क्रियान्वयन हो पायेगा ये तो आने वाला समय ही बताएगा। नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम केंद्र सरकार की अच्छी योजना है।

गोकुल में आनंद भयो जय कन्हैया लाल...

हिंदू धर्म में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार बहुत खास होता है। जन्माष्टमी का त्योहार सिर्फ भारत में हीं नहीं बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण का जन्म भाद्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को हुआ था इसलिए इस शुभ तिथि को भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में इस त्योहार को बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सुबह स्नान व ध्यान आदि करने के बाद घर के बाल गोपाल को नई पोशाक पहनाएं, भोग लगाएं और गोपी चंदन से श्रृंगार करें।

जन्माष्टमी का महत्व

इस पावन दिन भगवान श्रीकृष्ण का श्रृंगार करके झूला सजाया जाता है फिर उन्हें झूला झुलाया जाता है। स्त्री व पुरुष दोनों ही रात के बारह बजे तक व्रत रखते हैं। रात को बारह बजे शंख तथा घंटों की आवाज से श्रीकृष्ण के जन्म की सुचना चारों दिशाओं में गूंज उठती है। भगवान श्री कृष्ण जी की आरती उतारी जाती है और भोग लगा कर प्रसाद का वितरण किया जाता है।

जन्माष्टमी की कथा

द्वापर युग के अंत में कंस की बहन देवकी का विवाह वासुदेव के साथ हुआ लेकिन एक आकाशवाणी हुई, हे कंस! देवकी का आठवां पुत्र तेरा संहार करेगा। इस भय से उसने दोनों को कारागार में डाल दिया। वहीं भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में श्रीकृष्ण जी का जन्म हुआ। उनके जन्म लेते ही जेल की कोठरी में प्रकाश फैल गया।

शुभ मुहूर्त

जन्माष्टमी भाद्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाते हैं। इस साल अष्टमी तिथि की शुरुआत 26 अगस्त की रात 3 बजकर 39 मिनट पर होगी और समापन 27 अगस्त रात 2 बजकर 19 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि की मान्यता के अनुसार 26 अगस्त 2024 के दिन कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखा जाएगा। जन्माष्टमी के अगले दिन यानी नवमी तिथि में गोकुल और वृंदावन में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाता है, इसलिए इस साल 27 अगस्त को कृष्ण भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। गुजरात स्थित द्वारिकाधीश मंदिर में भी भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व मनाया जाता है।

पूजन विधि व व्रत

इस व्रत में अष्टमी के उपवास से पूजन और नवमी के पारणा से व्रत की पूर्ति होती है। उपवास वाले दिन प्रातः स्नानादि से निवृत होकर सभी देवताओं को नमस्कार करके पूर्व या उत्तर को मुख करके बैठें। हाथ में जल, फल और पुष्प लेकर संकल्प करके मध्यान्ह के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकी जी के लिए प्रसूति गृह बनाएं। अब इस सूतिका गृह में सुन्दर बिछौना बिछाकर उस पर शुभ कलश स्थापित करें। साथ ही देवकी जी की मूर्ति या सुन्दर चित्र की स्थापना करें। पूजन में देवकी, वासुदेव, बलदेव, नन्द, यशोदा और लक्ष्मी जी इन सबका नाम क्रमशः लेते हुए विधिवत पूजन करें। यह व्रत रात्रि बारह बजे के बाद ही खोला जाता है। इस व्रत में अनाज का उपयोग नहीं किया जाता। फलहार के रूप में कुट्टू के आटे की पकौड़ी, मावे की बर्फ़ी और सिंघाड़े के आटे का हलवा बनाया जाता है।

भाग्य को मजबूत बनाने का उपाय

जन्माष्टमी के दिन बाल गोपाल को केसर-मेवा मिश्री साबूदाने या खीर का तुलसी दल डालकर भोग लगाएं लेकिन ध्यान रखें कि खीर में चीन की जगह मिश्री की डली डालें। साथ ही सफेद मिठाई भी अर्पित करें। ऐसा करने से कान्हा की कृपा मिलती है और भाग्य भी मजबूत होता है।

व्यवसाय में उन्नति के लिए उपाय

कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सुबह-शाम 11 बार तुलसी की परिक्रमा करें और घी का दीपक जलाएं। इसके बाद 108 बार 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप' करें। साथ ही कपूर जलाकर उस पर थोड़ी मिसरी डाल दें और कपूर और मिश्री का दान भी करें।

आर्थिक तंगी दूर करने का उपाय

कर्ज की समस्या से परेशान हैं तो जन्माष्टमी के दिन दक्षिणावर्ती शंख से भगवान कृष्ण का अभिषेक करें। दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है और लक्ष्मी पूजा में इस शंख के बिना पूजा पूरी नहीं होती। ऐसा करने से आर्थिक तंगी दूर होती है और लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

हंसना मना है

परीक्षा में लड़की ने बगल वाली सीट पर बैठे लड़के से पूछा कि यमक अलंकार की परिभाषा बताओ एक उदाहरण के साथ, लड़का बोला- जब एक ही शब्द दो बार आवे और दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न-भिन्न हो तो उसे यमक अलंकार कहते हैं, जैसे- तुम रूठा ना करो, मेरी जान! मेरी जान निकल जाती है। लड़के को नोबल पुरस्कार देने पर विचार किया जा रहा है?

मेवालाल ने चार लोगों को कार से दबा दिया, जज -तुमने तो शराब पी नही थी तो फिर ऐसा क्यों किया? मेवालाल-जज साहब एयरटेल वालों ने कहा था कि इस गाने के लिए चार दबाये।

मेवालाल किरायेदार को घर दिखाकर लौट रहे थे, रास्ते में एक मरियल सा आदमी दिखा, किरायेदार- वाह साहब अभी तो आप बोल रहे थे कि यहां की वातावरण बहुत अच्छी है, यहां कोई बीमार नही होता तो ये ऐसा क्यों है, मेवालाल-अरे बेटा ये तो इस इलाके का डॉक्टर है जो भुखा तड़प रहा है।

एक महिला मॉल से बिस्कुट चुराते हुए पकड़ी गई, जज ने कहा- तुम ने जो बिस्कुट का पैकेट चुराया, उसमें 10 बिस्कुट थे, इसलिए तुम्हें 10 दिन की जेल की सजा दी जाती है। तभी पति पीछे से चिल्लाया-जज साहब, इस ने साबूदाने का पैकेट भी चुराया है।

कहानी — बांके बिहारी जी का प्रेम

एक बार मैं ट्रेन से आ रहा था, मेरी साथ वाली सीट पे एक वृद्ध औरत बैठी थी जो लगातार रो रही थी... मैंने बार-बार पूछा मईया क्या हुआ, मईया क्या हुआ? बड़ी मिन्नतों के बाद मईया ने एक लिफाफा मेरे हाथ में रख दिया। मैंने लिफाफा खोल कर देखा उसमें चार पेड़े, 200 रूपये और इत्र से सनी एक कपड़े की कातर थी। मैंने मईया से पूछा, मईया ये क्या है? मईया बोली मैं वृंदावन बिहारी जी के मंदिर गई थी, मैंने गुल्लक में 200 रूपये डाले और दर्शन के लिऐ आगे बिहारी जी के पास चली गई। वहां गोस्वामी जी ने मेरे हाथ में एक पेड़ा रख दिया, मैंने गोस्वामी जी को कहा मुझे दो पेड़े दे दो पर गोस्वामी जी ने मना कर दिया। मैंने गुस्से में कहा कि मैंने 200 रूपये डाले हैं मुझे पेड़े भी दो चाहिए पर गोस्वामी जी नहीं माने। मैंने गुस्से में वो एक पेड़ा भी उन्हें वापिस दे दिया और बिहारी जी को कोसते हुए बाहर आ कर बैठ गई। मैं जैसे ही बाहर आई तभी एक बालक मेरे पास आया और बोला मईया मेरा प्रसाद पकड़ लो मूझे जूते पहनने हैं। वो मुझे प्रसाद पकड़ा कर खुद जूते पहनने लगा और फिर हाथ धोने चला गया। फिर वो नही आया। मैं पागलों की तरह उसका इंतजार करती रही। काफी देर के बाद मैंने उस लिफाफे को खोल कर देखा। उसमें 200 रूपये, चार पेड़े और एक कागज पर लिख रखा था (मईया अपने लाला से नाराज ना होया करो) ये ही वो लिफाफा है। ॥ जय श्री राधे ॥

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा।

मिथुन — यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कर्क — किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

सिंह — आज धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। दुष्टजनों से सावधान रहें।

कन्या — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला — कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक — किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

धनु — कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर — कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ — मान-सम्मान मिलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन — रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अच्छे-बुरे समय पर एक साथ रहते हैं स्टारकिड्स : तापशी

तापसी पन्नू इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म खेल खेल में और फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक महीने में अभिनेत्री की दो फिल्में रिलीज हुई हैं। इसके अलावा अभिनेत्री अपनी निजी लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। अब हाल ही में अभिनेत्री ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में इनसाइडर-आउटसाइडर विवाद पर अपनी राय रखी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद पर बहस जारी है और कई लोग यह कह रहे हैं कि कुछ बड़े परिवारों के कारण बॉलीवुड बाहरी लोगों के लिए सही जगह नहीं है, लेकिन अभिनेत्री तापसी पन्नू इस विषय पर अलग राय रखती हैं। तापसी ने कहा, मैं आपको बताऊंगी, शायद यह बहुत से लोगों से अलग राय है। एक चीज जो उन लोगों के बारे में अच्छी है, जिनके माता-पिता या भाई-बहन या इंडस्ट्री में कोई और परिवार का सदस्य है। आप जानते हैं, भाई-भतीजावाद वाले लोग जो इंडस्ट्री में आए हैं, वे नेपोटिज्म के एक चैन हैं। एक बहुत अच्छी चीज जो मैंने उनसे सीखी है, वह है एक साथ रहना और एक-दूसरे का समर्थन करना। अभिनेत्री का कहना है कि यह खूबी कुछ ऐसी है, जो हममें से बहुत से बाहरी लोगों में उतनी नहीं है, जितनी हमारे पास है, जितनी उनके पास एक-दूसरे के लिए है। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे इंडस्ट्री में बाहरी लोग एक-दूसरे के साथ असुरक्षित महसूस करते हैं, जबकि इंडस्ट्री के नेपो किड्स ऐसा नहीं करते। तापसी ने कहा, मैंने जो एकता देखी है कि वे एक-दूसरे की सिफारिश करेंगे या एक-दूसरे के लिए खड़े होंगे या एक-दूसरे के लिए मौजूद रहेंगे, यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। मैंने देखा है कि उनके पास हमसे ज्यादा है। वह हर अच्छे-बुरे समय में एक साथ रहते हैं।

स्त्री-2 में नेहा कक्कड़ को नाम बदलकर किया गया था ट्रोल

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म ने लोगों को खूब हंसाया है। इसमें कुछ डराने वाले सीन भी हैं जिन्हें देखकर लोगों की चीख जरुर निकल जाएगी। फिल्म में पंच लाइन जबरदस्त हैं। जिसकी वजह से ये फिल्म हर जगह छाई हुई है। इस फिल्म में नेहा कक्कड़ को लेकर एक जोक है मगर उसमें नेहा की जगह स्नेहा नाम लिया है। नेहा का नाम बदलने के पीछे की वजह डायरेक्टर अमर कौशिक ने बताई है। अमर कौशिक ने एक इंटरव्यू में इस बारे में खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि नेहा कक्कड़ का नाम बदलने के लिए उन्हें सेंसर बोर्ड ने कहा था। जिसकी बात उन्होंने मान ली थी।

अमर कौशिक ने कहा- सीबीएफसी का कहना था कि इस तरह के जोक्स से लोगों को बुरा लग सकता है। ये बात हमें उनकी सही लगी और हमने इसे बदलने का फैसला लिया। हमने उनसे नहीं कहा कि हम पुराना डायलॉग ही रखेंगे। वैसे भी लोग इस जोक का असली मतलब समझ गए थे।

अमर ने आगे कहा- जब आप कॉमेडी लिखते हैं तो कई ऐसे जोक्स होते हैं जो दोस्तों में बैठकर आप कमेंट पास करते हैं वैसे होते हैं। ये मजाक होता है, हमारा इंटेंशन किसी को हर्ट करना नहीं होता है बस लोगों में ह्यूमर लाने का होता था। जब कोई कहता है कि गैग डाल देते हैं तो मैं ऐसा होता हूं कि मुझे नहीं चाहिए।

बता दें स्त्री 2 सिनेमाघरों में 14 अगस्त को रात को रिलीज हो गई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वीकडे में भी धुआंधार कमाई कर रही है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 400 से ज्यादा करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म को 500 करोड़ के क्लब में शामिल होने में ज्यादा समय नहीं लगने वाला है। स्त्री 2 में श्रद्धा के साथ राजकुमार, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी अहम किरदार निभाते नजर आए हैं।

साजिश नाडियाडवाला की फिल्म में फिर से धूम मचायेंगे शाहिद व विशाल भारद्वाज

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज ने साल 2009 में कमीने और 2014 में हैदर के साथ बड़े पर्दे पर साथ काम किया था। दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल किया था। अब, एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि निर्माता साजिद नाडियाडवाला एक्शन से भरपूर थ्रिलर के लिए शाहिद और विशाल को वापस ला रहे हैं। गौरतलब है कि यह भारद्वाज के करियर की पहली एक्शन फिल्म होगी।

साजिद नाडियाडवाला, शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज ने एक एक्शन थ्रिलर के लिए हाथ मिलाया है। जानकारी के अनुसार, विशाल भारद्वाज ने अपने करियर की पहली एक्शन फिल्म विकसित की है और निर्माता इसे बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बना रहे हैं। यह एक मिशन-आधारित एक्शन थ्रिलर है और साजिद नाडियाडवाला इसे सबसे बड़े संभावित तरीके से पेश करने के लिए उत्साहित हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, साजिद और विशाल का मानना है कि शाहिद कपूर इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इतना ही नहीं निर्माता अब तक बिना शीर्षक वाली इस फीचर फिल्म के लिए छह विशाल एक्शन सेट बनाने पर भी विचार कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, शाहिद कपूर इस एक्शन थ्रिलर की कहानी से प्रभावित थे और स्क्रिप्ट में जोरदार एक्शन देखकर इसे करने के लिए तुरंत राजी हो गए।

इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि शाहिद के मन में विशाल और साजिद के लिए बहुत सम्मान है, और वह उसी पल फिल्म में शामिल हो गए जब उन्होंने कहानी सुनी। विशेष रूप से, अभिनेता सितंबर या अक्तूबर 2024 में विशाल और साजिद के साथ फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं। इसे भारत और अमेरिका में बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा।

फिल्म के बारे में अधिक जानकारी देते हुए पोर्टल ने आगे कहा कि शाहिद, विशाल और साजिद सभी दर्शकों के लिए एक पूरी तरह से नई कहानी पेश करने के लिए उत्साहित हैं। जानकारी है कि यह फिल्म आज के दर्शकों के लिए बनाई गई है, जिसे अब तक बनी सभी फिल्मों से बहुत अलग तरीके से पेश किया जाएगा। निर्माता मुख्य महिला के रूप में एक ए-लिस्टर अभिनेत्री को कास्ट करना चाह रहे हैं।

अजब-गजब | इस विषैले जीव की है अजीब जीवनशैली

बिना सांस लिये छह दिन तक और बिना खाए सालभर जीवित रह सकता है यह विषैला जीव

दुनिया में आपने बहुत तरह के जीवों के बारे में पढ़ा और सुना होगा। हर जीव की अपनी खासियत होती है। कोई किसी चीज में अच्छा होता है तो कोई किसी चीज में बुरा। कई बार ऐसा भी होता है कि आप किसी खास जीव को उसकी विशेषता के बारे में जानते हैं। एक ऐसे ही दिलचस्प जीव के बारे में आज बताएंगे, जिसकी खासियत ही अलग है।

हमारी जिंदगी में सांस लेना कितना महत्वपूर्ण है, ये हम सभी जानते हैं। बिना सांस लिए तो हम जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। हालांकि एक जीव ऐसा भी है, जो 6 दिन बिना सांस लिए जिंदा रह सकता है। इसको कुदरत ने बनाया ही कुछ ऐसा है कि वो अपना सांस लंबे वक्त तक रोक सकता है।

हम जिस जीव के बारे में बात कर रहे हैं, वो बिच्छू है। बिच्छू के फेफड़ों की बनावट ही कुछ ऐसी होती है कि वो लंबे वक्त तक अपनी सांस रोक सकता है। इस तरह के फेफड़ों को बुक लंग्स कहा जाता है। इनका आकार किताब के मुड़े हुए पन्नों की तरह होता है, इसीलिए उन्हें ये नाम दिया गया है। उनके फेफड़ों में अच्छी मात्रा में हवा रुक सकती है और ये सांस लेने की क्रिया के दौरान भी होता रहता है। यही वजह है कि हवा की रिजर्व मात्रा रहने की वजह से वो 6 दिन तक बिना हवा को एक्सचेंज किए हुए भी जिंदा रह सकते हैं।

इतना ही नहीं इस जीव के बारे में दिलचस्प बात ये भी है कि ये पूरा एक साल बिना भोजन के गुजार सकते हैं। वे पानी भी बहुत कम पीते हैं, लेकिन इन्हें जिंदा रहने के लिए पानी की जरूरत होती है। ये किसी भी सतह पर आराम से चढ़ सकते हैं और जब ये किसी अल्ट्रावायलेट लाइट के नीचे पड़ते हैं, तो चमकने लगते हैं।

यहां सुबह कन्या तो शाम को बूढ़ी औरत में बदल जाती है माता की मूर्ति

हमारा देश आस्था और मंदिरों का देश है। हमारे देश में लाखों ऐसे मंदिर हैं, जिनसे लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। कई मंदिरों में तो लोगों को चमत्कार देखने को मिलते हैं। कई चमत्कार तो ऐसे हैं, जिनके आगे विज्ञान भी फेल हो जाते हैं। जैसे हरिद्वार में मां गंगा अपने पवनपुत्र हनुमान को नहलाने खुद आती है तो रामेश्वरम में समुद्र खुद भगवान शिव का अभिषेक करने आता है। ऐसा ही एक चमत्कारीक मंदिर उत्तराखंड के श्रीनगर में भी है। यह मंदिर मां धारी का है। मां धारी को पहाड़ों और तीर्थयात्रियों की रक्षक देवी माना जाता है। उत्तराखंड के श्रीनगर से 14 किलोमीटर की दूर मां धारी का मंदिर स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां भक्तों को हर दिन चमत्कार देखने को मिलता है। यहां मां धारी की मूर्ति दिन में तीन बार अपना रूप बदलती है। मां की मूर्ति सुबह एक कन्या की तरह दिखती है तो दोपहर को युवती में बदल जाती है वहीं शाम होते ही एक बू?ी महिला के रूप में बदल जाती है। भक्त भी मां के इस चमत्कार को देखकर हैरान रह जाते हैं। यह नजारा वाकई हैरान कर देने वाला होता है।

मां धारी के मंदिर के बारे में एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक बार बाढ़ में माता का मंदिर बह गया था। मंदिर के साथ माता की मूर्ति भी बह गई थी। माता की मूर्ति बहकर आगे धारो गांव के पास एक चट्टान के पास रुक गई। कहते हैं कि उस मूर्ति से एक ईश्वरीय आवाज निकली, जिसने गांव वालों को उस जगह पर मूर्ति स्थापित करने का निर्देश दिया। इसके बाद गांव वालों ने मां का आदेश मानकर वहां माता का मंदिर बना दिया। वहीं एक और कथा मां के बारे में प्रचलित है। माना जाता है कि वर्ष 2013 में माता के इस मंदिर को तोड़ दिया गया था और मां की मूर्ति को मूल स्थान से हटा दिया गया था। लोगों का मानना है कि इस वजह से उस साल उत्तराखंड में भयानक बाढ़ आ गई थी। उस बाढ़ में हजारों लोग मारे गए थे। माना जाता है कि धारा देवी की प्रतिमा को 16 जून, 2013 की शाम को हटाया गया था और उसके कुछ ही घंटों बाद राज्य में आपदा आई थी। इसके बाद में उसी जगह पर फिर से मंदिर का निर्माण कराया गया।

युवा व नये लोगों को देंगे जम्मू कश्मीर में मौका : राहुल गांधी

» कांग्रेस ने नये चेहरों की तलाश में वरिष्ठों को लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। प्रतिपक्ष में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव के मैदान में नए चेहरे उतारने के संकेत दिए हैं। उन्होंने पार्टी के सीनियर कैडर को जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को टिकट देने पर विचार करने को कहा है। वहीं, नेकां से गठबंधन के ठीक बाद राहुल का यह बयान पार्टी में बगावत को रोकना भी माना जा रहा है। नेकां वाले सीट गठबंधन में संबंधित विस क्षेत्रों में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और सक्रिय कार्यकर्ताओं का टिकट कट जाएगा।

जम्मू में पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं को सच्चा सिपाही बताया। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि पार्टी के जमीनी स्तर के सक्रिय कार्यकर्ता भी विधानसभा तक पहुंचे और लोगों की आवाज रखे। कहा, चुनाव में बड़े नेताओं को टिकट बांटे जाते हैं, लेकिन मैं एक उदाहरण देखना चाहता हूं, जिसमें सच्चे कार्यकर्ताओं को मौका मिले।उन्होंने इसके लिए जम्मू कश्मीर प्रदेश समिति के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और महासचिव जीए मीर के ऐसे सक्रिय कार्यकर्ताओं की पहचान करने को कहा। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला एक सिपाही नहीं बल्कि एक जनरल और कमांडर की तरह हैं। उनके तरह और भी कमांडर हैं और सिपाही हमारे कार्यकर्ता हैं। हमारा नेकां से गठबंधन हो रहा है, हम चाहते हैं कि गठबंधन में सभी कार्यकर्ताओं और कमांडरों को उचित सम्मान और इज्जत मिले। वे हमारी विचारधारा के लिए लड़ते हैं। कांग्रेस की जम्मू कश्मीर की 90 विधानसभा क्षेत्रों में सीट गठबंधन पर नेकां से बात चल रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खत्म किया पीएम मोदी का आत्मविश्वास

जम्मू में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपने पीएम मोदी का आत्मविश्वास खत्म कर दिया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि आप हमारे लिए लड़ते हैं और यह कांग्रेस और आरएसएस के बीच विचारधारा की लड़ाई है। राहुल ने कहा कि मैं संसद में बैठता हूं, मैं उन्हें (पीएम मोदी) देखता हूं। मैं आपको बता सकता हूं कि आपने पीएम मोदी का आत्मविश्वास खत्म कर दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें इतना मनोवैज्ञानिक तनाव दिया है कि उनका मनोविज्ञान खत्म हो गया है। मैं इसीलिए आप लोगों को कांग्रेस पार्टी का बब्बर शेर कहता हूं। उन्होंने कहा कि हम आपके लिए राज्य का दर्जा चाहते हैं, यह आपके दिल में है। हम चाहते हैं कि आप अपने राज्य को अपनी मर्जी से चलाएं, यही संदेश देने हम आए हैं।कांग्रेस नेता ने कहा कि जम्मू की एक संस्कृति है, एक इतिहास है, यह मां वैष्णो देवी की भूमि है, आपकी जीवनशैली और सोचने का तरीका अलग है।

विभाजनकारी ताकतों को हराना मकसद

नेकां अध्यक्ष ने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच न्यूनतम साझा कार्यक्रम का कोई सवाल ही नहीं है। हमारा साझा कार्यक्रम देश में मौजूद विभाजनकारी ताकतों को हराने के लिए चुनाव लड़ना है। यह पूछे जाने पर कि क्या चुनाव पूर्व या गठबंधन के बाद पीडीपी के लिए कोई जगह है, उन्होंने कहा, हमें पहले चुनाव देखने दीजिए, फिर हम उन चीजों पर गौर करेंगे। सीट बंटवारे पर फारूक ने कुछ दिन इंतजार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा, पहले चरण से पहले सब कुछ सामने आ जाएगा। अब्दुल्ला ने इस सवाल का जवाब देने से इन्कार कर दिया कि वह चुनाव लड़ेंगे या नहीं।

चुनाव में 370 व पूर्ण राज्य बहाली मुख्य मुद्दा : फारूक अब्दुल्ला

नेकां प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने अपने गुपकार स्थित आवास पर राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ करीब 70 मिनट तक चली बैठक के बाद कहा कि सौहार्दपूर्ण माहौल में हमारी अच्छी बैठक हुई। गठबंधन पटरी पर है और सब ठीक रहा तो यह गठबंधन सुचारु रूप से चलता रहेगा।उन्होंने कहा कि सभी 90 विधानसभा सीटों पर दोनों दलों में सहमति बन चुकी है। फारूक ने कहा कि कांग्रेस और नेकां मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सीपीआई (एम) के तारिगामी भी हमारे साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि हमारे लोग भी साथ हैं और हम जनता के जीवन को बेहतर बनाने के लिए भारी बहुमत से चुनाव जीतकर सरकार बनाएंगे।? अब्दुल्ला ने कहा कि सभी मिलकर जम्मू-कश्मीर में 370 और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाली कराएंगे। उन्होंने कहा, राज्य का दर्जा हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस सरकार आने पर ईडी-सीबीआई की भी जांच होगी : भूपेश

» छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम बोले- विपक्षी नेताओं को परेशान कर जेल में डाला गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी तो ईडी-सीबीआई जो जांच कर रही है, उनकी भी जांच कराई जायेगी। आरोप लगाया कि जिस प्रकार से केंद्र सरकार ने ईडी-सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया है। विपक्षी नेताओं को परेशान किया गया है, जेल में डाला गया। हमारी सरकार आएगी जो ईडी-सीबीआई जांच कर रही है, उनकी भी जांच कराई जायेगी।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर सारे प्रकरण की जांच जेपीसी से होनी चाहिए। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच को इस्तीफा देना चाहिए। जो 30 करोड़ लोगों का इन्वेस्टमेंट हुआ है, यदि वह पैसा डूबेगा तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिये। ईडी-सीबीआई मामले को लेकर कांग्रेस की ओर राजनीति करने के सवाल पर कहा कि पीएम मोदी महाराष्ट्र में जाकर 70 हजार करोड़ के घोटाले के आरोप लगाते हैं। दूसरे दिन अजीत पवार एनसीपी से इस्तीफा देकर के बीजेपी से हाथ मिला लेते हैं। भाजपा उन्हें सरकार में उपमुख्यमंत्री बना देती है।

बीजेपी ने देश को घोटाले में झोंक दिया : डोटासरा

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह सरकार पांच साल पूरे नहीं कर पाएगी। जयपुर में प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय के बाहर कांग्रेस द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन के दौरान उन्होंने ये बात कही। डोटासरा ने कहा, इनको जेल जाना होगा, देश को घोटाले में झोंक दिया गया है और अदाणी को फायदा पहुंचाया गया है। यह सिर्फ शुरुआत है, हम इन्हें घुटनों पर ले आएंगे। धरने में प्रदेश कांग्रेस के सभी नेता, सांसद और विधायक उपस्थित रहे। डोटासरा ने केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकार तक पर जमकर निशाना साधा।

रेप के खिलाफ सख्त कानून बनाए केंद्र : ममता

» सीएम ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बलात्कार के मामलों पर सख्त कानून बनाने की मांग की। यह घटनाक्रम कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए भयानक बलात्कार और हत्या को लेकर लोगों के गुस्से के बीच हुआ है।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार को बलात्कार-हत्या मामले और उसके बाद आरजी कर अस्पताल में हुई बर्बरता को लेकर कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, मैं आपका ध्यान देशभर में बलात्कार की बढ़ती घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहती हूं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कई मामलों में बलात्कार के साथ हत्या भी की जाती है। यह देखना भयावह है कि देशभर में प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। इससे समाज और राष्ट्र का विश्वास और विवेक डगमगाता है।

हमारी सरकार को अस्थिर करने की हो रही कोशिश : डीके शिवकुमार

» सिद्धारमैया को मिला कांग्रेस विधायकों का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले को लेकर कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि हमारे सभी विधायक सीएम सिद्धारमैया के साथ खड़े होंगे। पूरी कांग्रेस पार्टी सीएम सिद्धारमैया के साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल हमारे खिलाफ राजनीति कर रहे हैं। राज्यपाल ने बिना किसी जांच के सीएम के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। डीके शिवकुमार ने कहा कि भाजपा और जेडीएस हमारी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं जो कभी नहीं होगा, हमें इसकी परवाह नहीं है कि वे क्या कर रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर अभियोजन स्वीकृति अनुरोधों को मंजूरी देते समय भेदभाव करने का बुधवार को आरोप लगाया। सिद्धरमैया ने कहा कि लोकायुक्त की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने सोमवार को एक बार फिर राज्यपाल को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें कथित अवैध खनन पट्टा मामले में केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति मांगी गई है।

सियासी दलों की प्राथमिकता में हो लड़कियों की सुरक्षा : उद्धव

» बदलापुर कांड पर पूर्व सीएम ने शिंदे सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बदलापुर के आदर्श एजुकेशन इंस्टीट्यूट के एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण का मामले पर राजनीति गरमाई हुई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा यह आरोप लगाए जाने के बाद कि बदलापुर में प्रदर्शनकारी राजनीतिक कार्यकर्ता थे, शिवसेना उद्धव गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महागठबंधन सरकार की आलोचना की है।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि एमवीए द्वारा 24 अगस्त को आहूत बंद के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं है, महिलाओं की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग सोचते हैं कि बदलापुर की घटना के विरोध के पीछे राजनीति है, वे या तो सामान्य नहीं हैं या दोषियों को बचा रहे हैं।

बदलापुर की घटना दुर्भाग्यपूर्ण, प्रदर्शन से लगता है लोग नाराज हैं : पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए बुधवार को कहा कि इसके बाद हो रहे प्रदर्शन लोगों के आक्रोश को दर्शाते हैं। पवार ने यहां

पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना से आक्रोशित हजारों लोग सड़कों पर उतरे और रेल सेवाओं को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि यह जनता के बीच असंतोष की भावना को दर्शाता है क्योंकि सरकार ने अपराध पर उस तरह से कार्रवाई नहीं की, जैसे की जानी चाहिए थी।

एमवीए 24 अगस्त को रखेगा महाराष्ट्र बंद

विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) ने ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना के विरोध में 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने बताया कि एमवीए के घटक दलों- कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा- एसपी) ने यहां एक बैठक में यह निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि एमवीए के सभी सहयोगी दल 24 अगस्त को बंद में भाग लेंगे।

पहली पाली की परीक्षा समाप्त 28115 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी पुलिस में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए प्रदेश के अलग-अलग केंद्रों पर पहली पाली की परीक्षा हो रही थी जो सम्पन्न हो गई। जिला प्रशासन परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह सक्रिय रहा।

फोटो: सुमित कुमार

घूसखोर इंस्पेक्टर रामसेवक के थाने की दीवार फांदकर भागने पर सपा प्रमुख ने सरकार पर कसा तंज

'हाई जंप' में भाजपा राज की पुलिस लायेगी मेडल

» बोले- यदि भ्रष्टाचार का ओलंपिक होता तो ऐसी विशिष्ट योग्यता रखने वाले कुछ कृपा प्राप्त पुलिसवाले प्लेटिनम मेडल ले आते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। बरेली के फरीदपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रामसेवक के सात लाख रुपये रिश्वत लेने के मामले में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए एक्स पर पोस्ट डाली है। उन्होंने लिखा है अभी तो बस थाने की दीवार कूदी है, यदि भ्रष्टाचार का ओलंपिक होता तो भाजपा राज में ऐसी विशिष्ट योग्यता रखने वाले कुछ कृपा प्राप्त पुलिसवाले 'हाई जंप' में प्लेटिनम मेडल ले आते।

उन्होंने आगे लिखा है कि अब सवाल ये है कि उच्च पुलिस अधिकारियों ने छापा क्यों मारा, जबकि उन्होंने ही उस इंस्पेक्टर की पोस्टिंग की होगी। क्या उस इंस्पेक्टर की भ्रष्ट कार्यप्रणाली के बारे में कोई रिपोर्ट पहले से उपलब्ध नहीं थी? यदि उत्तर 'हां' है तो फिर उसको पोस्टिंग कैसे मिली और अगर उत्तर 'नहीं' है तो फिर वो पुलिस क्या खुफिया रिपोर्ट निकालेगी, जिसे अपनों के बारे में ही पता नहीं है। ऐसे में ये शासन-प्रशासन दोनों की नाकामी है। जनता कह रही है = कहीं इसके पीछे मूल कारण ये तो नहीं कि बेईमानी का तरबूजा तो कटा पर नीचे से ऊपर तक ईमानदारी से नहीं बंटा। भाजपा राज में क्या उप्र की जनता नशे के तस्करों से '9 लाख' लेने वाले ऐसे भ्रष्ट नौ रत्नों के भरोसे रहेगी।

हवालात में मिले आरोपी ने खोली इंस्पेक्टर की पोल

इंस्पेक्टर ने थाने में जो डील की, उसकी पूरी पुष्टि हवालात में बंद आरोपी और थाने के रिकार्ड ने कर दी। सीओ ने थाने में बनी हवालात का निरीक्षण किया तो वहां मौजूद नवदिया अशोक गांव निवासी आरोपी असनूर मिला। उसे रिकार्ड में दाखिल नहीं किया गया था, बिना लिखीपढ़ी के ही उसे हवालात में बंद कर दिया गया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पुलिस तीन लोगों को पकड़कर लाई थी। इसमें आलम व नियाज अहमद को सात लाख रुपये लेकर छोड़ दिया गया। उसके पास रुपये नहीं थे तो नहीं छोड़ा गया। सीओ ने सुपुर्दगी रजिस्टर देखा तो छोड़े गए दोनों आरोपियों के नाम दर्ज थे। एसपी मानुष पारीक ने बताया कि मामले की विवेचना किसी दूसरी सर्किल के सीओ से कराई जाएगी।

इंस्पेक्टर ने आरोपियों से मांगे थे 15 लाख

फरीदपुर पुलिस ने स्मैक तस्करी के आरोप में नवदिया अशोक गांव के जिन तीन आरोपियों को पकड़ा, उनमें आलम, नियाज व अशनूर शामिल थे। आलम अपनी ननिहाल नवदिया अशोक में रहता है। फरीदपुर बड़ा बाईपास पर आलम के नाना का समनानी मुस्लिम ढाबा है। ढाबे को आलम ही संचालित करता है। सूत्रों के मुताबिक अशनूर ने बताया कि इंस्पेक्टर ने तीनों व्यक्तियों को छोड़ने के लिए 15 लाख रुपये की मांग की थी। फिर साढ़े दस लाख रुपये में बात हो गई थी। सात लाख रुपये लेकर दो तस्करों को छोड़ दिया।

सिपाही भर्ती परीक्षा: सरकारी दावे के बावजूद दिखी अव्यवस्था

» अभ्यर्थियों ने ट्रेन के टॉयलेट में किया सफर, दुकानों के सामने खुले में बिताई रात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी पुलिस में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए प्रदेश के अलग-अलग केंद्रों पर पहली पाली की परीक्षा जारी है। प्रशासन परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। राज्य सरकार ने परीक्षा के सकुशल संपन्न करवाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए।

अभ्यर्थियों के आवागमन के लिए प्रदेश सरकार ने बसों में मुफ्त यात्रा का इंतजाम किया है तो रेलवे की मदद से ट्रेनों में अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त बोगियां लगाई गयी हैं। परीक्षा केंद्रों के आस-पास अभ्यर्थियों के रहने की व्यवस्था भी गई। पर कई जिलों से अभ्यर्थियों को परेशान होने की भी खबरें आई। कई जिले के केंद्रों पर हो रही पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों का आना देर रात से ही जारी रहा। किसी ने ट्रेन से तो किसी ने रोडवेज बसों से यात्रा की। रात में आने वाली ट्रेनों में काफी भीड़ देखी गयी। कुछ अभ्यर्थियों को कोच में स्थान नहीं मिला तो वे ट्रेन की टॉयलेट में घुस गए और उसी में खड़े-खड़े सफर पूरा किया। रुकने की जगह नहीं मिली तो प्लेटफॉर्म पर ही सो गए। वहीं, कुछ स्टूडेंट्स प्लेटफॉर्म पर ही पढ़ाई करते हुए दिखाई दिए। यही नजारा बस स्टेशन का था। यात्री कक्ष समेत हॉल में लोग पेपर और चादर बिछाकर लेटे मिले। सुबह होने से पहले ही परीक्षार्थी परीक्षा केंद्रों के लिए पैदल ही निकल लिए। सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भारी लगी रही। संदिग्धों पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है।

भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष ने भी लिया जायजा

उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष डीजी राजीव कृष्णा ने बताया कि शुक्रवार से भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सुरक्षा की समीक्षा मुख्यमंत्री खुद कर रहे हैं। सभी 67 जिलों में प्रश्न पत्र आ चुके हैं, जिन्हें ईवीएम की तर्ज पर पुख्ता सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखा गया है।

बाराबंकी में स्कूल का छज्जा गिरा, डेढ़ दर्जन छात्र घायल

» मचा हड़कंप, प्रशासन राहत में जुटा, अस्पताल में कराया भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के थाना क्षेत्र जहांगीराबाद स्थित अवध अकादमी स्कूल में शुक्रवार की सुबह एक छज्जा उस समय भरभराकर ढह गया, जब बच्चे स्कूल शुरू होने से पहले उस पर खड़े थे। हादसे में करीब डेढ़ दर्जन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन सभी बच्चों को जिला अस्पताल लाया गया।

डीएम सत्येंद्र कुमार और एसपी दिनेश कुमार सिंह ने घटनास्थल और अस्पताल का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। वहीं, सीएमओ अवधेश कुमार यादव ने बच्चों के इलाज की कमान संभाली है। शुक्रवार की सुबह करीब आठ बजे बच्चे स्कूल पहुंचना शुरू हो गए थे। इस दौरान दो दर्जन से अधिक बच्चे स्कूल की पहली मंजिल पर बने छज्जे पर खड़े थे। तमाम बच्चे ग्राउंड फ्लोर पर भी मौजूद थे। इसी दौरान करीब 20 फीट लंबा छज्जा अचानक गिर गया। इसके बाद स्कूल में अफरातफरी मच गई। स्कूल प्रशासन और परिजन आनन फानन में बच्चों को अस्पताल लेकर भागने लगे। देखते ही देखते अस्पताल में डेढ़ दर्जन बच्चों को भर्ती कराया गया, जिनका इलाज चल रहा है। डीएम ने बताया कि मामले में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और डीआईओएस की कमेटी बनाई जा रही है। जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

काठमांडू जा रही भारतीय यात्री बस नदी में गिरी, 14 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काठमांडू। मध्य नेपाल में शुक्रवार को एक भारतीय यात्री बस के मर्सियांगडी नदी में गिर जाने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, दुर्घटना तनहुन जिले के आइना पहाड़ में हुई। सशस्त्र पुलिस बल नेपाल आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण विद्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) माधव पौडेल के नेतृत्व में 45 कर्मियों की एक टीम दुर्घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। बचाव अभियान शुरू किया जा चुका है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 10 से 11 शव बरामद किए गए हैं।

40
यात्री सवार थे, बचाव कार्य जारी

जानकारी के मुताबिक, गोरखपुर से यात्रियों को लेकर नेपाल गई एक भारतीय बस शुक्रवार को हादसे का शिकार हो गई। बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी। तनहुन के एसपी बीरेंद्र शाही ने हादसे की जानकारी दी है। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी मौके पर मौजूद हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। बस का नंबर यूपी एफटी 7623 बताया जा रहा है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।